शिक्षक - रवि शंकर राय , विषय - अर्थशास्त्र, वर्ग - B.A I
समय - 12:10 PM दिनांक - 01-07-2020

राष्ट्रीय आय :- धारणाएँ एवं माप (National Income concept and Measurement)

Objective

1. राष्ट्रीय आय तात्पर्य हैं - देश के सभी कारको के अर्जनों का कुल योग।

2. किसी देश की NNP (Net National product) का साधन लागतों पर परिकलन करते समय निम्नलिखित तत्व सम्मिलित किए जाते हैं —
   1. किराया, ब्याज, मजदूरियां और लाभ।
   2. कारको को विदेशो से दी गई अदायगियां।
   3. अप्रत्यक्ष कर।

3. वास्तविक और संभाव्य GNP के अन्तरालकी मात्रा "बचत-निवेश अन्तराल" को मापता हैं।

4. मध्यवर्ती वस्तुएं GNP में सम्मिलित नहीं किया जाता हैं क्योंकि उससे दोहरेपन की समस्या पैदा होता हैं।

5. प्रयोज्य आय हैं - प्रत्यक्ष करो को घटाने के बाद शेष बची राष्ट्रीय आय।

6. बाजार कीमतो पर शुद्ध राष्ट्रीय आय (NNP) बराबर हैं → बाजार कीमतो पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद जिसमें से मूल्य ह्रास घटा दिया गया हो।

7. GNP, राष्ट्र में एक वर्ष के दौरान उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य हैं।

8. राष्ट्रीय आय का परिकलन करते समय लॉटरी को शामिल नहीं किया जाता हैं।

9. सरकार का उपभोग व्यय = व्यक्तियों तथा राज्य सरकारों को की गयी अंतरण अदायगियां।

10. किसी फैक्ट्री के उत्पादन के मूल्य के बराबर होता है ⟶ कारक तथा कारकेत्तर निविष्टियों के लिए की गई अदायगियां।

11. सरकार के पुलिस विभाग द्वारा गश्त लगाने के लिए इस्तेमाल लाई गई "कारों" (जीप) को माना जाना चाहिए ⟶ मध्यवर्ती वस्तुएँ क्योंकि इन कारों के इस्तेमाल के द्वारा पुलिस सेवाओं का उपभोग होता है।

सुमेल करे —

ⓐ उत्पाद विधि → वर्ष के समस्त अंतिम उत्पाद के मूल्यों का योग।

ⓑ व्यय विधि → एक वर्ष के दौरान उत्पादन के कारकों द्वारा अर्जित आयों का योग।

ⓒ आय विधि → मध्यवर्ती तथा अंतिम उत्पादों के मूल्य का योग

ⓓ दोहरी गणना → उपभोग तथा निवेश वस्तुओं पर किए गए सभी निजि तथा सार्वजनिक खर्च का योग।

13\. यह मानते हुए की —

बजार कीमतों पर GNP = 192866 करोड़ रु

अचल पूंजी का उपभोग = 13371 करोड़ ₹

विदेशों से प्राप्त निवल कारक आय = 975 करोड़ ₹

बजार कीमत पर NDP होगी = 180470 करोड़ (192866 − 13371 + 975)

14\. सरकार द्वारा की गयी अन्तरण अदायेगीयां निवल घरेलू उत्पाद में शामिल नही की जाती हैं क्योंकि → इन राशियों के अदायेगी के बदले किन्ही वस्तुओ और सेवाओ का तदनरुप उत्पादन नही हुआ है।

15\. भारत मे राष्ट्रीय आय का अभिकलन करते समय किन-किन विधियों का इस्तेमाल किया जाता है —

1\. निवल उत्पाद विधि ② निवल आय विधि

16\. सुमेल करे —

1\. स्थायी पूंजी की खपत → मूल्य ह्रास

2\. मूल्यवर्धित → अंत-औद्योगिक खरीदों को घटाने के बाद सकल उत्पाद।

3\. व्यपार से निवल आय → (X−M)

4\. घरेलू उत्पाद → संवृत अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय।

17\. राष्ट्रीय आय लेखाओं का अध्ययन अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनसे — 1. राष्ट्रीय उत्पाद के परिणाम और उसकी संरचना में परिवर्तन व्यक्त होते हैं।

2\. समाज के विभिन्न वर्गो के बीच राष्ट्रीय आय के वितरण के विषय में जानकारी प्राप्त होती है।

18\. किसी दी गयी अवधि के लिए एक देश की राष्ट्रीय आय उत्पादित अंतिम वस्तुओ और सेवाओ के मौद्रिक मूल्य के बराबर होगी।

19\. एक बंध अर्थव्यवस्था के लिए जिसमे विदेशी व्यापार नही है कौन सही है — GDP = GNP

20. NNP (शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद) और NMP (शुद्ध भौतिक उत्पाद) का अन्तर (NNP−NMP) की व्याख्या → NNP में सेवाएं सम्मिलित हैं।
21. GNP अन्तराल, अन्तराल है— GNP और GDP के बीच।
22. मिलान करें—
1. संवर्धित मूल्य — आगत-निर्गत आव्यूह
2. मौद्रिक आय — चालू कीमतें
3. वास्तविक आय — स्थिर कीमतें
4. हस्तांतरण प्राप्तियां — पेंशन
23. संवर्धित मूल्य से तात्पर्य उस मूल्य से जो → वस्तुओं और सेवाओं से मध्यवर्ती वस्तुओं एवं सेवाओं की लागत घटाकर होता है।
24. सकल राष्ट्रीय उत्पादन में मूल्य ह्रास सम्मिलित है।
25. 1993-94 में बजार कीमतों पर GNP- 192866 करोड़ ₹ था और और साधन लागत पर GNP 171,201 करोड़ ₹ था। वर्ष भर में शासन में 5107 करोड़ रुपये उत्पादन के रूप में प्रदान किया गया। उस वर्ष के मिल करोड़ रुपयों में अप्रत्यक्ष करो की राशि का आकलन होगी ⇒ 26772 रु० [192866−171201+5107)
26. GNP, NNP से → सकल निवेश और निवल निवेश के मध्य अन्तर के बराबर, अधिक होता है।
27. एक अर्थव्यवस्था की निवल राष्ट्रीय आय 20000 मिलियन डॉलर है, अप्रत्यक्ष कर 2,000 मिलियन डॉलर है। उत्पादन 1000 मिलियन डॉलर है और उसकी जनसंख्या 150 मिलियन है। कारक लागत पर राष्ट्रीय आय क्या होगी → 19000 मिलियन डॉलर
[20000+1000−2000 = 19000]
28. "देश की उत्पादन व्यवस्था में वर्ष भर में प्रवाहित होकर अंतिम उपभोक्ता के हाथों में जाने वाली वस्तुओं तथा सेवाओं में अथवा देश की पूंजीगत वस्तुओं के स्टॉक में शुद्ध वृद्धि को राष्ट्रीय आय कहते हैं।" यह परिभाषा किस अर्थशास्त्री का है →
साइमन कुजनेट्स।
29. Y = C+I है— एक समीकरण है।
30. निजी उपभोग व्यय कहलाएगा — PDI
31. राष्ट्रीय उत्पाद में गणना की जाती है— विनिमय हो तथा उत्पादकों द्वारा अपनी उपभोग के लिए रखी गयी हो।